

देखो आ गए हैं घर घर में पार्वती के लल्ला लिरिक्स



गणपति आज पधारे घर में,
मच गओ है ये हल्ला,
देखो आ गए हैं घर घर में,
पार्वती के लल्ला,
शिव गौरा की आंख के तारे,
दिखे हैं बड़े मुटल्ला,
देखो आ गए हैं घर घर में,
पार्वती के लल्ला।bd।

अरे प्रथम पूज्य गजानन तुम हो,
देवों के सरदार,
तेरी कृपा हर दुःख मिट जावे,
ओ मेरे सरकार,
अरे तेरे आने से हो जावे,
गली गली ने हल्ला,
देखो आ गए हैं घर घर में,
पार्वती के लल्ला।bd।

अरे लंबोदर गजबदन कहाते,
तेरी एक दंत पहचान,
तुझसा कोई जग में न दूजा,
है एसो तेरो नाम,
अरे रिद्धि सिद्धि के दाता तुम हो,
मां गौरा के लल्ला,
देखो आ गए हैं घर घर में,
पार्वती के लल्ला।bd।

शाम सवेरे चारों पहर मैं,
तेरा नाम पुकारूँ,
पान सुपारी और लड्डू के,
मैं तोहे भोग लगाऊँ,
मूषक वाहन पे लम्बोदर,
घूमें गली मोहल्ला,
देखो आ गए हैं घर घर में,
पार्वती के लल्ला।bd।



सुख कर्ता दुख हर्ता तुम हो,
ओ मेरे गणराज,
तेरे दर पे जो आ जावे,
सफल करो सब काज,
विघ्नविनाशक विघ्नहरैय्या,
शिव गौरा के लल्ला,
देखो आ गए हैं घर घर में,
पार्वती के लल्ला।bd।

गणपति आज पधारे घर में,
मच गओ है ये हल्ला,
देखो आ गए हैं घर घर में,
पार्वती के लल्ला,
शिव गौरा की आंख के तारे,
दिखे हैं बड़े मुटल्ला,
देखो आ गए हैं घर घर में,
पार्वती के लल्ला।bd।

– गायक / गीतकार / कम्पोजीशन –
उदय लकी सोनी।
मोबाइल – 9131843199